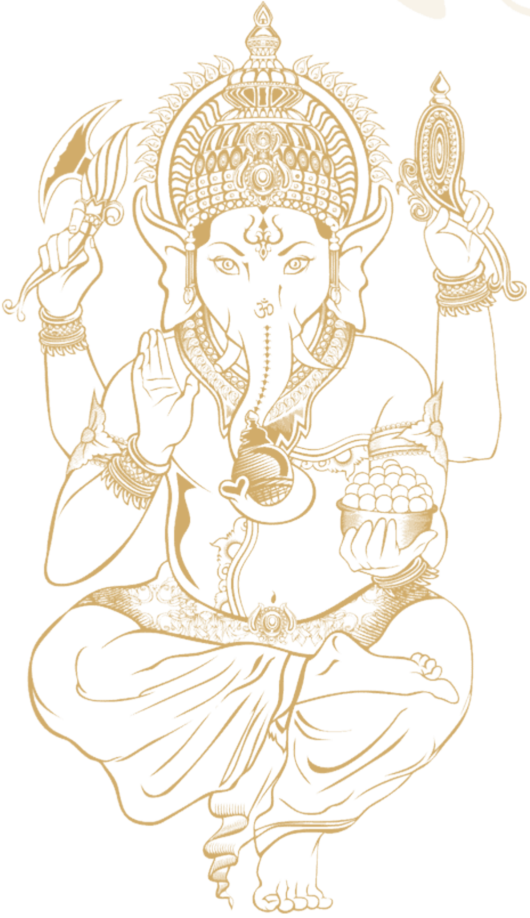

Mr.

30 Sep 1997

12:45 AM

Pratapgarh

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 29-30/09/1997**
दिन	: सोम-मंगलवार
जन्म समय	**: 00:45:00 घंटे**
इष्ट	: 47:09:11 घटी
स्थान	**: Pratapgarh**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 25:52:00 उत्तर
रेखांश	: 82:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:01:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 00:43:08 घंटे
वेलान्तर	: 00:09:37 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:17:28 घंटे
सूर्योदय	: 05:53:19 घंटे
सूर्यास्त	: 17:50:45 घंटे
दिनमान	: 11:57:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 12:50:59 कन्या
लग्न के अंश	: 03:57:42 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**: सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**: पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: शुभ
करण	: विष्टि
गण	: मनुष्य
योनि	: मूषक
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	03:57:42	311:32:23	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			कन्या	12:50:59	00:58:58	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			सिंह	22:16:51	11:46:35	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	06:47:00	00:41:57	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध			कन्या	01:48:50	01:47:00	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु	व		मक	18:23:07	00:01:40	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	26:32:26	01:08:09	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	स्वराशि
शनि	व		मीन	23:53:44	00:04:36	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
राहु			सिंह	25:57:28	00:00:14	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:57:28	00:00:14	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:00:04	00:00:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:22:47	00:00:18	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:37:00	00:01:30	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	27:08:15	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:28

लग्न-चलित

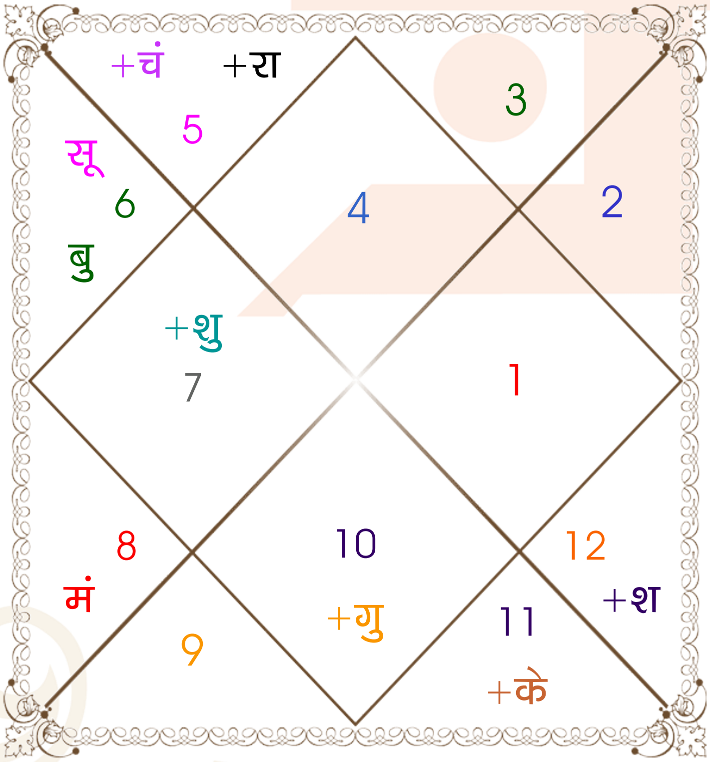

चन्द्र कुंडली

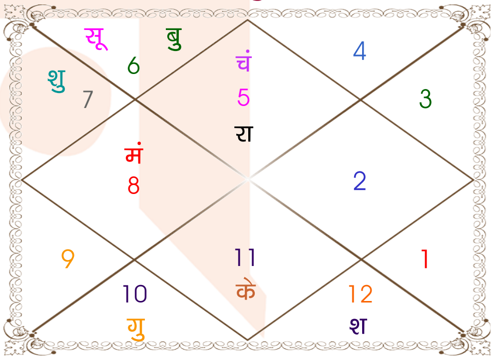

नवमांश कुंडली

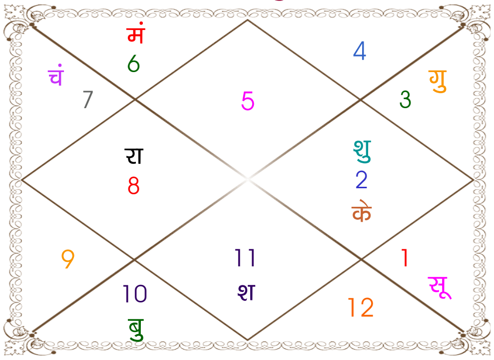

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 6 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/09/1997		28/04/2004		29/04/2010		28/04/2020		29/04/2027	
28/04/2004		29/04/2010		28/04/2020		29/04/2027		29/04/2045	
	00/00/0000	सूर्य	16/08/2004	चंद्र	27/02/2011	मंगल	25/09/2020	राहु	09/01/2030
	00/00/0000	चंद्र	15/02/2005	मंगल	28/09/2011	राहु	13/10/2021	गुरु	04/06/2032
	00/00/0000	मंगल	23/06/2005	राहु	29/03/2013	गुरु	19/09/2022	शनि	11/04/2035
	00/00/0000	राहु	17/05/2006	गुरु	29/07/2014	शनि	29/10/2023	बुध	28/10/2037
	00/00/0000	गुरु	05/03/2007	शनि	28/02/2016	बुध	25/10/2024	केतु	16/11/2038
	30/09/1997	शनि	15/02/2008	बुध	29/07/2017	केतु	23/03/2025	शुक्र	16/11/2041
शनि	28/04/2000	बुध	22/12/2008	केतु	27/02/2018	शुक्र	23/05/2026	सूर्य	10/10/2042
बुध	27/02/2003	केतु	29/04/2009	शुक्र	29/10/2019	सूर्य	28/09/2026	चंद्र	10/04/2044
केतु	28/04/2004	शुक्र	29/04/2010	सूर्य	28/04/2020	चंद्र	29/04/2027	मंगल	29/04/2045

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/04/2045		29/04/2061		28/04/2080		29/04/2097		29/04/2104	
29/04/2061		28/04/2080		29/04/2097		29/04/2104		00/00/0000	
गुरु	17/06/2047	शनि	02/05/2064	बुध	25/09/2082	केतु	25/09/2097	शुक्र	30/08/2107
शनि	28/12/2049	बुध	10/01/2067	केतु	22/09/2083	शुक्र	25/11/2098	सूर्य	29/08/2108
बुध	04/04/2052	केतु	18/02/2068	शुक्र	23/07/2086	सूर्य	02/04/2099	चंद्र	30/04/2110
केतु	11/03/2053	शुक्र	20/04/2071	सूर्य	30/05/2087	चंद्र	01/11/2099	मंगल	30/06/2111
शुक्र	10/11/2055	सूर्य	01/04/2072	चंद्र	28/10/2088	मंगल	30/03/2100	राहु	30/06/2114
सूर्य	28/08/2056	चंद्र	31/10/2073	मंगल	25/10/2089	राहु	18/04/2101	गुरु	28/02/2117
चंद्र	28/12/2057	मंगल	10/12/2074	राहु	14/05/2092	गुरु	24/03/2102	शनि	01/10/2117
मंगल	04/12/2058	राहु	16/10/2077	गुरु	20/08/2094	शनि	03/05/2103		00/00/0000
राहु	29/04/2061	गुरु	28/04/2080	शनि	29/04/2097	बुध	29/04/2104		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 6 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्‌भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।